वर्ष : 6, अंक : 194 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, शुक्रवार
22 अक्टूबर, 2021
मूल्य ₹ 3.00

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

www.shashwattimes.com

एम.एस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन चेन्नई के निदेशक ने जैव संवर्धित गांव अनूपपुर में स्मार्ट न्यूट्री किचन गार्डन का किया अवलोकन

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर आज एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन द्वारा 100 प्रतिशत वित्तपोषित जैव संवर्धित पोषकतत्व युक्त सब्जियों की वाटिका योजना के मूल्यांकन हेतु फाउंडेशन के निदेशक डॉ जी.एन. हरिहरन व उनके सहकर्मी दया द्वारा अवलोकन किया गया। डॉ हरिहरन ने केंद्र की वाटिका का निरीक्षण करते समय वाटिका की अति सुनियोजित तरह से लगवाने व मेन्टेन करने के लिए केंद्र के अध्यक्ष डॉ अशोक कुमार की प्रशंसा करते हुए परियोजना की वाटिका देख कर प्रसन्नता व्यक्त की। गर्व की बात कि उक्त परियोजना पूरे भारत में सिर्फ चयनित चार जिलों में जिनमें कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर भी शामिल है में चल रहा है। अवलोकन उपरांत डॉ हरिहरन के कर कमलों से रावे कार्यक्रम के लिए केंद्र में सम्बद्ध छात्रों को उनका प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उनको प्रमाण पत्र भी वितरित करवाये गए। इसके उपरांत उक्त परियोजना के सहयोग से विकसित भारत के प्रथम जैव संवर्धित गांव अनूपपुर का भ्रमण व गांव की महिलाओं के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। भ्रमण के दौरान डॉ हरिहरन ने उक्त गांव के समस्त घरो में पोषण बाटिका देख कर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए केंद्र के अध्यक्ष डॉ अशोक कुमार व उनकी टीम की भूरी भूरी प्रशंसा की। महिलाओं से संवाद करते हुए डॉ हरिहरन ने कहा कि देश में 15 से 51 साल तक कि आधी से अधिक आबादी कुपोषण का शिकार है। और गर्भावस्था में एनीमिया की शिकार हो जाती हैं। जबकि महिलाएं ही अन्नपूर्णा हैं और परिवार के सभी सदस्यों की जरूरत का ध्यान रखती हैं। अतः महिलाओं को अपना ध्यान रखते हुए उचित पोषण युक्त भोजन लेना चाहिए।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • शुक्रवार • 22 अक्टूबर • 2021

मिट्टी के बर्तनों का प्रयोग कर दूर भगायें रोग

सीएसए में मिट्टी से पाएं स्वास्थ्य व स्वावलंबन पर आयोजित व्याख्यान कार्यक्रम में मौजूद डॉ. विंदु सिंह व अधिष्ठाता कृषि संकाय डॉ. वेद रत्न। फोटो : एसएनबी

कानपुर (एसएनबी)। सीएसए कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि में गुरुवार को आजादी के 75वीं वर्षगांठ पर मनाये जा रहे अमृत महोत्सव कार्यक्रम के तहत 'मिट्टी से पायें स्वास्थ्य एवं स्वावलंबन' विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। मुख्य वक्ता सर्वोसार्थ संस्था की अध्यक्ष मिट्टी के वर्तनों की महिला उद्यमी डॉ.विन्दु सिंह ने व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि हम सभी अपने किचन में 80 से 90 प्रतिशत प्लास्टिक का उपयोग करते हैं, जो स्वास्थ्य के लिए वहुत हानिकारक है। हमें प्लास्टिक के स्थान पर मिट्टी के वर्तनों का प्रयोग करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि मिट्टी में वह सभी 18 तत्व मौजूद होते हैं जिनकी हमारे शरीर को अति आवश्यकता होती है। यदि हम खाना पकाने व अन्य कार्यों में मिट्टी के वर्तनों को उपयोग करें तो मधुमेह, उच्च रक्तचाप एवं कैंसर जैसी समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। अधिष्ठाता गृह विज्ञान संकाय डॉ.वेदरत्न, डॉ.रश्मि सिंह, डॉ.अर्चना सिंह आदि ने कार्यक्रम में भागीदारी की।

आर.एन.आई.नं.- UPHIN/2009/44666

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

सत्ता एक्सप्रेस

डी.ए.वी.पी नई दिल्ली एवं राज्य सरकार द्वारा विज्ञापन मान्यता प्राप्त

वर्ष: 13 अंक: 10 कानपुर देहात, शुक्रवार 22 अक्टूबर 2021 Email: sattaexpress@rediffmail.com पृष्ठ:

केवीके में जैव संबर्धित प्रोजेक्ट का चेन्नई की संस्था द्वारा किया गया अवलोकन

दैनिक सत्ता एक्सप्रेस

मैथा कानपुर देहात। एम एस एस रीसर्च फाउंडेशन चेन्नई के

द्वारा कृषि विज्ञान केन्द्र दलीप नगर पर चल रहे जैव संबर्धित प्रोजेक्ट का अवलोकन किया। केंद्र के अधक्ष डॉ अशोक कुमार द्वारा केंद्र पर कराए जा रहे प्रोजेक्ट के कार्यो की सराहना करते हुए मानव स्वस्थ पर जैवसमबर्धित फसल उत्पाद के उपयोग से होने वाले लाभकारी प्रभाव के सम्बंध में बताया तथा गाव के सभी परिवारों में आदर्श पोषक वाटिका स्थापित करने हेतु आवाहन किया। कार्यक्रम के समय केंद्र पर उपस्थित रहे समस्त वैज्ञानिकों से वार्ता की। केन्द्र पर चल रहे रामा विश्वविध यालय के रावे के 48 छात्रों को उनके द्वारा सर्टिफिकेट वितरित किए गये । केंद्र के अध्यक्ष डॉ अशोक कुमार ने जैव संवर्धित ग्राम अनुपपुर और केंद्र के गोद लिए गये ग्रामों का भ्रमण कराया और समूह की महिलाओं को पोषक वाटिका हेतु डॉ जी ऐन हरि हरन द्वारा पौध वितरित किया गया। उक्त कार्यक्रम में रामा यूनिवर्सिटी की डीन डॉ अनीता यादव , प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय , डॉ अरविंद कुमार, म्रदा वैज्ञानिक, उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण कुमार सिंह, डॉ शशिकांत, डॉ निमिशा अवस्थी ,आदि उपस्थित रहे ।

उत्तराखंड/उत्तर प्रदेश का प्रथम द्विभाषीय (हिन्दी-अंग्रेजी) सांध्य दैनिक समाचार पत्र

जनमत टुडे

वर्ष:12 अंक:283 देहरादून, गुरुवार, 21 अक्टूबर, 2021 पृष्ठ:08

देहरादून, गुरुवार 21 अक्टूबर, 2021 — उत्तर प्रदेश — जनमत टुडे 7

जैव संवर्धित स्मार्ट न्यूट्री किचन गार्डन का अवलोकन

दीपक गौड़ (जनमत टुडे)

कानपुर: चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर पर आज एम.एस. स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन द्वारा 100 प्रतिशत वित्तपोषित जैव सवर्धित पोषक तत्व युक्त सब्जियों की वाटिका योजना के मूल्यांकन हेतु फाउंडेशन के निदेशक डॉ जीएन हरिहरन व उनके सहकर्मी श्री दया द्वारा अवलोकन किया गया डॉ हरिहरन ने केंद्र की वाटिका का निरीक्षण करते समय वाटिका की अति सुनियोजित तरह से लगवाने व मैंटेन करने के लिए केंद्र के अध्यक्ष डॉ अशोक कुमार की प्रशंसा करते हुए परियोजना की वाटिका देख कर प्रसन्नता व्यक्त की गर्व की बात कि उक्त परियोजना पूरे भारत में सिर्फ चयनित चार जिलों में जिनमें कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर कानपुर भी शामिल है में चल रहा है अवलोकन उपरांत डॉ हरिहरन के कर कमलों से रावे कार्यक्रम के लिए केंद्र में सम्बद्ध छात्रों को उनका प्रशिक्षण पूर्ण होने के उपलक्ष्य में उनको प्रमाण पत्र भी वितरित करवाये गए इसके उपरांत उक्त परियोजना के सहयोग से विकसित भारत के प्रथम जैव संवर्धित गांव अनूपपुर का भ्रमण व गांव की महिलाओं के साथ संवाद कार्यक्रम का आयोजन भी किया गया। भ्रमण के दौरान डॉ हरिहरन ने उक्त गांव के समस्त घरो में पोषण वाटिका देख कर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए केंद्र के अध्यक्ष डॉ अशोक कुमार व उनकी टीम की भूरी भूरी प्रशंसा की महिलाओं से संवाद करते हुए डॉ हरिहरन ने कहा कि देश में 15 से 51 साल तक कि आधी से अधिक आबादी कुपोषण का शिकार है और गर्भावस्था में एनीमिया की शिकार हो जाती है जबकि महिलाएं ही अन्नपूर्णा हैं और परिवार के सभी सदस्यों की जरूरत का ध्यान रखती हैं। अतः महिलाओं को अपना ध्यान रखते हुए उचित पोषण युक्त भोजन लेना चाहिए हमारे देश में हिडेन हंगर अर्थात सूक्ष्म पोषक तत्वों की कमी वाला कुपोषण है जिसके उन्मूलन में पोषण वाटिका का बहुत योगदान है महिलाओं को अपने हाथों से केंद्र की कार्यक्रम सहायक (गृहविज्ञान) के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन की पोषक वाटिका बीज किट वितरित करते डॉ हरिहरन जी ने महिलाओं को अधिक से अधिक सब्जियां व फल घर में रोपने का आव्हान किया कार्यक्रम में केंद्र के अध्यक्ष जी ने मोटे अनाजो की उपयोगिता बताते हुए कहा कि कुपोषण को दूर करने में इनका महत्वपूर्ण योगदान है अतः सर्दियों में बाजरा का भरपूर उपयोग करने की सलाह दी।

कार्यक्रम में रामा विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ अनिता यादव, केंद्र की गृह वैज्ञानिक डॉ मिथिलेश वर्मा, प्रसार वैज्ञानिक डॉ राजेश राय, मृदा वैज्ञानिक डॉ अरविंद कुमार, उद्यान वैज्ञानिक डॉ अरुण सिंह, कार्यक्रम सहायक गृह विज्ञान डॉ निमिषा अवस्थी व रामा विश्वविद्यालय के रावे प्रभारी डॉ कार्तिकेय के साथ केंद्र के कंप्यूटर प्रोग्रामर राजेश द्विवेदी के व अनूपपुर के प्रधान व 70 महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

शाश्वत टाइम्स

हिन्दी दैनिक

वर्ष : 6, अंक : 194 पृष्ठ : 12
कानपुर महानगर, शुक्रवार
22 अक्टूबर, 2021
मूल्य ₹ 3.00

www.shashwattimes.com

पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने बताया, कौन सी टीमें टी-20 वर्ल्ड कप खिताब जीत सकती है...11

मिट्टी से पाएं स्वास्थ्य एवं स्वावलंबन : डॉ.बिंदु सिंह

शाश्वत टाइम्स कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर में आज आजादी के 75 वर्ष का अमृत महोत्सव के अंतर्ग कुलपति डॉक्टर डीआर सिंह के निर्देशानुसार गृह विज्ञान संकाय के पारिवारिक संसाधन एवं प्रबंधन विभाग की प्रभारी डॉ रश्मि द्वारा आज दिनांक 21/10/21 एक वक्तव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। वक्तव्य की मुख्य वक्ता सर्वोसार्थ संस्था की अध्यक्ष डॉ बिंदु सिंह , जो कि मिट्टी के बर्तनों की महिला उद्यमी है। उन्होंने मिट्टी से पाए स्वास्थ्य एवं स्वावलंबन विषय पर वक्तव्य दिया। उन्होंने बताया कि आज हम सभी अपने किचन में 80 से 90 प्रतिशत प्लास्टिक का उपयोग करते हैं। जो कि स्वास्थ्य के लिए बहुत ही हानिकारक है। अतः हमें प्लास्टिक के स्थान पर मिट्टी से बने बर्तनों का प्रयोग करना चाहिए। क्योंकि मिट्टी में वह सभी 18 तत्व मौजूद होते है जिनकी हमारे शरीर को अति आवश्यकता होती है। यदि हम मिट्टी के बर्तनों में खाना पकाने तथा अन्य कार्य के लिए उपयोग करेंगे तो जो बहुत ही व्यापक बीमारियां जैसे कि मधुमेह , उच्च रक्तचाप एवं कैंसर जैसी समस्याओं से छुटकारा पाया जा सकता है। कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने बहुत ही उत्साह से डॉक्टर बिंदु सिंह से अपने संशय एवं शंकाओं का समाधान भी पूंछा। इस अवसर गृहविज्ञान संकाय की सभी शिक्षकाओं के साथ लगभग 65 से अधिक छात्राओं ने सहभागिता की। कार्यक्रम का संचालन डॉ रश्मि सिंह ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन प्रभारी वस्त्र एवं परिधान विभाग की प्रभारी डॉ अर्चना सिंह ने किया।

Sign in to edit and save changes to this file.

www.facebook.com/worldkhabarexpress www.twitter.com/worldkhabarexpress www.youtube.com/worldkhabarexpress

WORLD खबर एक्सप्रेस

MID DAY E-PAPER

गुरुवार, 21-10-2021 अंक-383
www.worldkhabarexpress.media
www.worldkhabarexpress.com

WORLD खबर एक्सप्रेस — कानपुर

अनूपपुर गांव में पोषण वाटिका देख हुए गदगद

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के अधीन संचालित कृषि विज्ञान केंद्र दलीप नगर का एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन की 100 प्रतिशत वित्तपोषित जैवसंवर्धित पोषकतत्व वाली सब्जियों की वाटिका योजना के लिए फाउंडेशन के निदेशक डॉ. जीएन हरिहरन व उनके सहकर्मी दया ने अवलोकन किया। डॉ. हरिहरन ने केंद्र की वाटिका का निरीक्षण करते समय वाटिका को अति सुनियोजित तरह से लगवाने व मेंटिन करने के लिए केंद्र के अध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार की सराहना की। कहा कि यह गर्व की बात है कि यह परियोजना पूरे भारत में सिर्फ चार जिलों में है। इनमें कानपुर का दलीप नगर का कृषि विज्ञान केंद्र भी शामिल है। डॉ. हरिहरन ने केंद्र में संबद्ध छात्रों को उनका प्रशिक्षण पूरा होने पर प्रमाण पत्र भी दिए। इसके बाद परियोजना के सहयोग से विकसित भारत के प्रथम जैव संवर्धित गांव अनूपपुर का भ्रमण व गांव की महिलाओं के साथ संवाद कार्यक्रम किया। भ्रमण के दौरान डॉ. हरिहरन ने गांव के समस्त घरों में पोषण वाटिका देखकर खुशी जाहिर की। कार्यक्रम में रामा विश्वविद्यालय की अधिष्ठाता डॉ. अनिता यादव, केंद्र की गृह वैज्ञानिक डॉ. मिथिलेश वर्मा, प्रसार वैज्ञानिक डॉ. राजेश राय, मृदा वैज्ञानिक डॉ. अरविंद कुमार, उद्यान वैज्ञानिक डॉ. अरुण सिंह, कार्यक्रम सहायक गृह विज्ञान डॉ. निमिषा अवस्थी व रावे प्रभारी डॉ. कार्तिकेय, अनूपपुर के प्रधान व 70 महिलाओं ने प्रतिभाग किया।

राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • शुक्रवार • 22 अक्टूबर • 2021

'महिलाएं अपना ध्यान रखते हुए लें पोषण युक्त भोजन'

■ सहारा न्यूज ब्यूरो

कानपुर।

एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन,चेन्नई के निदेशक डॉ.जीएन हरिहरन ने गुरुवार को सीएसए कृषि विवि द्वारा अंगीकृत भारत के प्रथम जैव संवर्धित गांव अनूपपुर में स्मार्ट न्यूट्री किचन गार्डन का अवलोकन किया। गांव के समस्त घरों में पोषण वाटिका की उन्होंने प्रशंसा की। उन्होंने गांव में महिलाओं से भी संवाद किया। उन्होंने कुपोषण व गर्भावस्था में एनीमिया से बचने के लिए महिलाओं को अपना ध्यान रखते हुए उचित पोषण युक्त भोजन लेने को कहा।

गौरतलब है कि जैव संवर्धित गांव परियोजना को उक्त रिसर्च फाउंडेशन ने ही वित्तपोषित किया है। फाउंडेशन निदेशक इसी क्रम में गांव में जैवसंवर्धित पोषकतत्व युक्त सब्जियों की वाटिका योजना का मूल्यांकन करने आये थे। साथ में उनके सहयोगी दया भी थे। डॉ.हरिहरन ने विवि के दलीपनगर कृषि विज्ञान की वाटिका को देखकर प्रसन्नता व्यक्त की। सुनियोजित तरीके से वाटिका लगाने व उसके मेंटेन के लिए उन्होंने केन्द्र अध्यक्ष डॉ.अशोक कुमार की प्रशंसा की।

उक्त परियोजना पूरे भारत में सिर्फ चयनित चार जिलों में ही संचालित की जा रही है, जिसमें कृषि विज्ञान केन्द्र दलीपनगर के अधीन आने वाला गांव अनूपपुर भी शामिल है। डॉ. हरिहरन ने कहा कि देश में 15 से 51 साल तक की आधी से अधिक आबादी कुपोषण का शिकार है। इस कारण महिलाएं गर्भावस्था में एनीमिया का शिकार हो जाती हैं।

महिलाएं ही अन्नपूर्णा हैं व परिवार के सभी सदस्यों की जरूरत का ध्यान रखती हैं। अत : महिलाओं को अपना ध्यान रखते हुए उचित पोषणयुक्त भोजन लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमारे देश में हिडेन हंगर अर्थात सूक्ष्म पोषकतत्वों की कमी वाला कुपोषण है, जिसके उन्मूलन में पोषण वाटिका का महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है।

इस अवसर पर केन्द्र की कार्यक्रम सहायक (गृह विज्ञान) के अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन की पोषक वाटिका बीज भी डॉ.हरिहरन ने वितरित किया व महिलाओं को अधिक से अधिक सब्जियां व फल वाटिका में रोपने का आह्वान किया। उन्होंने बाजरा जैसे मोटे अनाज के सेवन पर भी जोर दिया। कार्यक्रम में रामा विवि की अधिष्ठाता डॉ.अनिता यादव, केन्द्र की गृह वैज्ञानिक डॉ.मिथिलेश वर्मा, प्रसार वैज्ञानिक डॉ.राजेश राय, मृदा वैज्ञानिक डॉ.अरविंद कुमार, उद्यान वैज्ञानिक डॉ.अरुण सिंह आदि ने भाग लिया।

एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन के निदेशक ने किया जैव संवर्धित गांव अनूपपुर का निरीक्षण।

एमएस स्वामीनाथन रिसर्च फाउंडेशन निदेशक ने की जैव संवर्धित गांव अनूपपुर के घर-घर में पोषण वाटिका की सराहना

देश के चुनिंदा चार जिलों के जैव संवर्धित गांव में शामिल है सीएसए कृषि विवि द्वारा अंगीकृत गांव अनूपपुर

दैनिक जागरण

कानपुर, 22 अक्टूबर, 2021

सीएसए में छात्राओं को दी मिट्टी से स्वावलंबन की सीख

कानपुर : सीएसए में आजादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत मिट्टी से पाएं स्वास्थ्य एवं स्वावलंबन विषय पर कार्यशाला का आयोजन हुआ। सर्वोसार्थ संस्था की अध्यक्ष डा . बिंदु सिंह ने प्लास्टिक की जगह मिट्टी के बर्तन उपयोग करने की सलाह दी। उन्होंने बताया कि रसोईघर में 80 से 90 फीसद प्लास्टिक का उपयोग होता है। कुलपति डा . डीआर सिंह, गृहविज्ञान संकाय के अधिष्ठाता डा . वेद रतन मौजूद रहे। जासं